रामायण मनका 108 हिंदी में (Ramayan Manka 108 in Hindi)

रामायण मनका 108 हिंदी में (Ramayan Manka 108 in Hindi)
रघुपति राघव राजाराम ।
पतित पावन सीताराम ॥

जय रघुनन्दन जय घनश्याम ।
पतित पावन सीताराम ॥

भीड़ पड़ी जब भक्त पुकारे ।
दूर करो प्रभु दु:ख हमारे ॥

दशरथ केघर जन्मे राम ।
पतित पावन सीताराम ॥ 1 ॥

तवश्वातमत्र मुनीश्वर आये ।
दशरथ भूप से वचन सुनाये ॥

संग में भेजे लक्ष्मण राम ।
पतित पावन सीताराम ॥ 2 ॥

वन में जाए ताड़का मारी ।
चरण छुआए अतहल्या तारी ॥

ऋतियों केदु:ख हरिे राम ।
पतित पावन सीताराम ॥ 3 ॥

जनक पुरी रघुनन्दन आए ।
नगर तनवासी दशन पाए ॥

सीता केमन भाए राम ।
पतित पावन सीताराम ॥ 4॥

रघुनन्दन ने धनुष चढाया ।
सब राजो का मान घटाया ॥

सीता ने वर पाए राम ।
पतित पावन सीताराम ॥5॥

परशुराम क्रोधित हो आये ।
दुष्ट भूप मन में हर्षाये ॥

जनक राय ने किया प्रणाम ।
पतितपावन सीताराम ॥6॥

बोले लखन सुनो मुनि ग्यानी ।
संत नहीं होते अभिमानी ॥

मीठी वाणी बोले राम ।
पतितपावन सीताराम ॥7॥

लक्ष्मण वचन ध्यान मत दीजो ।
जो कुछ दण्ड दास को दीजो ॥

धनुष तोडय्या हूँ मै राम ।
पतितपावन सीताराम ॥8॥

लेकर के यह धनुष चढाओ ।
अपनी शक्ति मुझे दिखलाओ ॥

छूवत चाप चढाये राम ।
पतितपावन सीताराम ॥9॥

हुई उर्मिला लखन की नारी ।
श्रुतकीर्ति रिपुसूदन प्यारी ॥

हुई माण्डव भरत के बाम ।
पतितपावन सीताराम ॥10॥

अवधपुरी रघुनन्दन आये ।
घर-घर नारी मंगल गाये ॥

बारह वर्ष बिताये राम ।
पतितपावन सीताराम ॥11॥

गुरु वशिष्ठ से आज्ञा लीनी ।
राज तिलक तैयारी कीनी ॥

कल को होंगे राजा राम ।
पतितपावन सीताराम ॥12॥

कुटिल मंथरा ने बहकाई ।
कैकई ने यह बात सुनाई ॥

दे दो मेरे दो वरदान ।
पतित पावन सीताराम ॥13॥

मेरी विनती तुम सुन लीजो ।
भरत पुत्र को गद्दी दीजो ॥

होत प्रात वन भेजो राम ।
पतित पावन सीताराम ॥14॥

धरनी गिरे भूप ततकाला ।
लागा दिल में सूल विशाला ॥

तब सुमन्त बुलवाये राम ।
पतित पावन सीताराम ॥15॥

राम पिता को शीश नवाये ।
मुख से वचन कहा नहीं जाये ॥

कैकई वचन सुनयो राम ।
पतित पावन सीताराम ॥16॥

राजा के तुम प्राण प्यारे ।
इनके दु:ख हरोगे सारे ॥

अब तुम वन में जाओ राम ।
पतित पावन सीताराम ॥17॥

वन में चौदह विश बिताओ ।
रघुकुल रीति-नीति अपनाओ ॥

तपसी वेष बनाओ राम ।
पतित पावन सीताराम ॥18॥

सुनि वचन राघव हरषाये ।
माता जी के मंदिर आये ॥

चरण कमल मे किया प्रणाम ।
पतित पावन सीताराम ॥19॥

माता जी मैं तो वन जाऊं।
चौदह विश बाद तिर आऊं॥

चरण कमल देखूं सुख धाम ।
पतितपावन सीताराम ॥20॥

सुनी शूल सम जब यह बानी ।
भू पर तगरी कौशल्या रानी ॥

धीरज बंधा रहे श्रीराम ।
पतितपावन सीताराम ॥21॥

सीताजी जब यह सुन पाई ।
रंग महल से नीचे आई ॥

कौशल्या को तकया प्रणाम ।
पतितपावन सीताराम ॥22॥

मेरी चूक क्षमा कर दीजो ।
वन जाने की आज्ञा दीजो ॥

सीता को समझाते राम ।
पतितपावन सीताराम ॥23॥

मेरी सीख तसया सुन लीजो ।
सास ससुर की सेवा कीजो ॥

मुझको भी होगा तवश्राम ।
पतितपावन सीताराम ॥24॥

मेरा दोष बिा प्रभु दीजो ।
संग मुझे सेवा में लीजो ॥

अर्धांतगनी तुम्हारी राम ।
पतितपावन सीताराम ॥25॥

समाचार सुतन लक्ष्मण आये ।
धनुष बाण संग परम सुहाये ॥

बोले संग चलूंगा राम ।
पतितपावन सीताराम ॥26॥

राम लखन मिथिलेश कुमारी ।
वन जाने की करी तैयारी ॥

रथ में बैठ गये सुख धाम ।
पतितपावन सीताराम ॥27॥

अवधपुरी केसब नर नारी ।
समाचार सुन व्याकुल भारी ॥

मचा अवध में कोहराम ।
पतितपावन सीताराम ॥28॥

श्रृंगवेरपुर रघुवर आये ।
रथ को अवधपुरी लौटाये ॥

गंगा तट पर आये राम ।
पतितपावन सीताराम ॥29॥

केवट कहे चरण धुलवाओ ।
पीछे नौका में चढ जाओ ॥

पत्थर कर दी, नारी राम ।
पतितपावन सीताराम ॥30॥

लाया एक कठौता पानी ।
चरण कमल धोये सुख मानी ॥

नाव चढाये लक्ष्मण राम ।
पतितपावन सीताराम ॥31॥

उतराई में मुदरी दीनी ।
केवट ने यह विनती कीनी ॥

उतराई नहीं लूंगा राम ।
पतितपावन सीताराम ॥32॥

तुम आये, हम घाट उतारे ।
हम आयेंगे घाट तुम्हारे ॥

तब तुम पार लगायो राम ।
पतितपावन सीताराम ॥33॥

भरद्वाज आश्रम पर आये ।
राम लखन ने शीि नवाए ॥

एक राि कीन्हा तवश्राम ।
पतििपावन सीििराम ॥34॥

भाई भरि अयोध्या आये ।
कैकई को कटु वचन सुनाये ॥

क्यों िुमने वन भेजे राम ।
पतििपावन सीििराम ॥35॥

तचत्रकूट रघुनंदन आये ।
वन को देख तसया सुख पाये ॥

तमले भरि से भाई राम ।
पतििपावन सीििराम ॥36॥

अवधपुरी को चतलए भाई ।
यह सब कैकई की कुतटलाई ॥

ितनक दोि नहीं मेरा राम ।
पतििपावन सीििराम ॥37॥

चरण पादुका िुम ले जाओ ।
पूजा कर दशन िल पावो ॥

भरि को कंठ लगाये राम ।
पतििपावन सीििराम ॥38॥

आगे चले राम रघुराया ।
तनशाचरों का वंश तमटाया ॥

ऋतियों केहुए पूरन काम ।
पतििपावन सीििराम ॥39॥

अनसूया की कुटीया आये ।
तदव्य वस्त्र तसय मां ने पाय ॥

था मुतन अत्री का वह धाम ।
पतििपावन सीििराम ॥40॥

मुतन-स्थान आए रघुराई ।
शूपशनखा की नाक कटाई ॥

खरदूषन को मारे राम ।
पतितपावन सीताराम ॥41॥

पंचवटी रघुनंदन आए ।
कनक मरग मारीच संग धाये ॥

लक्ष्मण तुम्हें बुलाते राम ।
पतितपावन सीताराम ॥42॥

रावण साधु वेष में आया ।
भूख ने मुझको बहुत सताया ॥

तभक्षा दो यह धमश का काम ।
पतितपावन सीताराम ॥43॥

तभक्षा लेकर सीता आई ।
हाथ पकड़ रथ में बैठाई ॥

सूनी कुतटया देखी भाई ।
पतितपावन सीताराम ॥44॥

धरनी तगरे राम रघुराई ।
सीता केतबन व्याकुलाई ॥

हे तप्रय सीते, चीखे राम ।
पतितपावन सीताराम ॥45॥

लक्ष्मण, सीता छोड़ नहीं तुम आते ।
जनक दुलारी नहीं गंवाते ॥

बने बनाये तबगड़े काम ।
पतितपावन सीताराम ॥46 ॥

कोमल बदन सुहातसतन सीते ।
तुम तबन व्यथश रहेंगे जीते ॥

लगे चाँदनी-जैसे घाम ।
पतितपावन सीताराम ॥47॥

सुन री मैना, सुन रे िोिा ।
मैं भी पंखो वाला होिा ॥

वन वन लेिा ढूंढ िमाम ।
पतििपावन सीििाराम ॥48 ॥

श्यामा तहरनी, िूही बिा दे ।
जनक नन्दनी मुझे तमला दे ॥

िेरे जैसी आँखे श्याम ।
पतििपावन सीििाराम ॥49॥

वन वन ढूंढ रहे रघुराई ।
जनक दुलारी कहीं न पाई ॥

गरर्द्राज ने तकया प्रणाम ।
पतििपावन सीििाराम ॥50॥

चख चख कर िल शबरी लाई ।
प्रेम सतहि खाये रघुराई ॥

ऐसे मीठे नहीं हैं आम ।
पतििपावन सीििाराम ॥51॥

तवप्र रुप धरर हनुमि आए ।
चरण कमल में शीश नवाये ॥

कन्धे पर बैठाये राम ।
पतििपावन सीििाराम ॥52॥

सुग्रीव से करी तमिाई ।
अपनी सारी कथा सुनाई ॥

बाली पहुंचाया तनज धाम ।
पतििपावन सीििाराम ॥53॥

तसंहासन सुग्रीव तबठाया ।
मन में वह अति हिाशया ॥

विाश ऋिु आई हे राम ।
पतििपावन सीििाराम ॥54॥

हे भाई लक्ष्मण तुम जाओ ।
वानरपति को यूं समझाओ ॥

सीता बिन व्याकुल हैं राम ।
पतितपावन सीताराम ॥55॥

देश देश वानर भिजवाए ।
सागर केसब तट पर आए ॥

सहिं भूख प्यास और घाम ।
पतितपावन सीताराम ॥56॥

सम्पाती ने पता बताया ।
सीता को रावण ले आया ॥

सागर कूद गए हनुमान ।
पतितपावन सीताराम ॥57॥

कोने कोने पता लगाया ।
भगत विभीषण का घर पाया ॥

हनुमान को किया प्रणाम ।
पतितपावन सीताराम ॥58॥

अशोक वाटिका हनुमत आए ।
वृक्ष तले सीता को पाये ॥

आँसू बरसे आठो याम ।
पतितपावन सीताराम ॥59॥

रावण संग निशिचरी लाके।
सीता को बोला समझा के॥

मेरी ओर तुम देखो बाम ।
पतितपावन सीताराम ॥60॥

मन्दोदरी बना दूँ दासी ।
सब सेवा में लंका वासी ॥

करो भवन में चलकर विश्राम ।
पतितपावन सीताराम ॥61॥

चाहे मस्तक कटे हमारा ।
मैं नहीं देखूं बदन तुम्हारा ॥

मेरे तन मन धन है राम ।
पतितपावन सीताराम ॥62॥

ऊपर से मुद्रिका गिराई ।
सीता जी ने कंठ लगाई ॥

हनुमान ने किया प्रणाम ।
पतितपावन सीताराम ॥63॥

मुझको भेजा है रघुराया ।
सागर लांघ यहां मैं आया ॥

मैं हूं राम दास हनुमान ।
पतितपावन सीताराम ॥64॥

भूख लगी फल खाना चाहूँ ।
जो माता की आज्ञा पाऊँ॥

सब केस्वामी हैं श्री राम ।
पतितपावन सीताराम ॥65॥

सावधान हो कर फल खाना ।
रखवालों को भूल ना जाना ॥

निशाचरों का है यह धाम ।
पतितपावन सीताराम ॥66॥

हनुमान ने वृक्ष उखाड़े ।
देख देख माली ललकारे ॥

मार-मार पहुंचाये धाम ।
पतितपावन सीताराम ॥67॥

अक्षय कुमार को स्वर्ग पहुंचाया ।
इन्द्रजीत को फांसी ले आया ॥

ब्रह्मफांस से बंधे हनुमान ।
पतितपावन सीताराम ॥68॥

सीिा को िुम लौटा दीजो ।
उन से क्षमा याचना कीजो ॥

िीन लोक केस्वामी राम ।
पतििपावन सीिाराम ॥69॥

भगि तबभीिण ने समझाया ।
रावण ने उसको धमकाया ॥

सनमुख देख रहे रघुराई ।
पतििपावन सीिाराम ॥70॥

रूई, िेल घरि वसन मंगाई ।
पूंछ बांध कर आग लगाई ॥

पूंछ घुमाई है हनुमान ॥

पतििपावन सीिाराम ॥71॥

सब लंका में आग लगाई ।
सागर में जा पूंछ बुझाई ॥

ह्रदय कमल में राखे राम ।
पतििपावन सीिाराम ॥72॥

सागर कूद लौट कर आये ।
समाचार रघुवर ने पाये ॥

तदव्य भतक्त का तदया इनाम ।
पतििपावन सीिाराम ॥73॥

वानर रीछ संग में लाए ।
लक्ष्मण सतहि तसंधु िट आए ॥

लगे सुखाने सागर राम ।
पतििपावन सीिाराम ॥74॥

सेिूकतप नल नील बनावें ।
राम-राम तलख तसला तिरावें ॥

लंका पहुूँचे राजा राम ।

पतितपावन सीताराम ॥75॥

अंगद चल लंका में आया ।
सभा बीच में पांव जमाया ॥

बाली पुत्र महा बलधाम ।
पतितपावन सीताराम ॥76॥

रावण पाँव हटाने आया ।
अंगद ने फिर पांव उठाया ॥

क्षमा करें मुझको श्री राम ।
पतितपावन सीताराम ॥77॥

निशाचरों की सेना आई ।
गरज गरज कर हुई लड़ाई ॥

वानर बोले जय सिया राम ।
पतितपावन सीताराम ॥78॥

इन्द्रजीत ने शक्ति चलाई ।
धरनी गिरे लखन मुरझाई ॥

चिन्ता करके रोये राम ।
पतितपावन सीताराम ॥79॥

जब मैं अवधपुरी से आया ।
हाय पिता ने प्राण गंवाया ॥

वन में गई चुराई बाम ।
पतितपावन सीताराम ॥80॥

भाई तुमने भी छिटकाया ।
जीवन में कुछ सुख नहीं पाया ॥

सेना में भारी कोहराम ।
पतितपावन सीताराम ॥81।
जो संजीवनी बूटी को लाए ।
तो भाई जीवित हो जाये ॥

बूटी लायेगा हनुमान ।
पतितपावन सीताराम ॥82॥

जब बूटी का पि◌ा न पाया ।
पवशि ही लेकर केआया ॥

काल नेम पहुंचाया धाम ।
पति◌िपावन सी◌ि◌ाराम ॥83॥

भक्त भरि ने बाण चलाया ।
चोट लगी हनुमि लंगड़ाया ॥

मुख से बोले जय तसया राम ।
पति◌िपावन सी◌ि◌ाराम ॥84॥

बोले भरि बहु◌ि पछिाकर ।
पवशि सतहि बाण बैठाकर ॥

◌ि◌ुम्हें तमला दूं राजा राम ।
पति◌िपावन सी◌ि◌ाराम ॥85॥

बूटी लेकर हनुमि आया ।
लखन लाल उठ शी◌ि नवाया ॥

हनुमि कंठ लगाये राम ।
पति◌िपावन सी◌ि◌ाराम ॥86॥

कुंभकरन उठकर ◌िब आया ।
एक बाण से उसे तगराया ॥

इन्◌िजी◌ि पहु◌ूँचाया धाम ।
पति◌िपावन सी◌ि◌ाराम ॥87॥

दुगाशपूजन रावण कीनो ।
नौ तदन ◌िक आहार न लीनो ॥

आसन बैठ तकया है ध्यान ।
पति◌िपावन सी◌ि◌ाराम ॥88॥

रावण का व्रि खंतडि कीना ।
परम धाम पहु◌ूँचा ही दीना ॥

वानर बोले जय श्री राम ।
पति◌िपावन सी◌ि◌ाराम ॥89॥

सीिा ने हरर दशन कीना ।
तचन्िा शोक सभी िज दीना ॥

हूँस कर बोले राजा राम ।
पतिपावन सीिाराम ॥90॥

पहले अतग्न परीक्षा पाओ ।
पीछे तनकट हमारे आओ ॥

िुम हो पतिव्रिा हे बाम ।
पतिपावन सीिाराम ॥91॥

करी परीक्षा कंठ लगाई ।
सब वानर सेना हरिाई ॥

राज्य तबभीिन दीन्हा राम ।
पतिपावन सीिाराम ॥92॥

तिर पुष्पक तवमान मंगाया ।
सीिा सतहि बैठे रघुराया ॥

दण्डकवन में उिरे राम ।
पतिपावन सीिाराम ॥93॥

ऋतिवर सुन दशन को आये ।
स्िुति कर मन में हिशये ॥

िब गंगा िट आये राम ।
पतिपावन सीिाराम ॥94॥

नन्दी ग्राम पवनसुि आये ।
भाई भरि को वचन सुनाए ॥

लंका से आए हैं राम ।
पतिपावन सीिाराम ॥95॥

कहो तवप्र िुम कहां से आए ।
ऐसे मीठे वचन सुनाए ॥

मुझे तमला दो भैया राम ।
पतिपावन सीिाराम ॥96॥

अवधपुरी रघुनन्दन आये ।
मंतदर-मंतदर मंगल छाये ॥

मािाओं ने तकया प्रणाम ।
पतििपावन सीिाराम ॥97॥

भाई भरि को गले लगाया ।
तसंहासन बैठे रघुराया ॥

जग ने कहा, हैं राजा राम ।
पतििपावन सीिाराम ॥98॥

सब भूतम तवप्रो को दीनी ।
तवप्रों ने वापस दे दीनी ॥

हम िो भजन करेंगे राम ।
पतििपावन सीिाराम ॥99॥

धोबी ने धोबन धमकाई ।
रामचन्ि ने यह सुन पाई ॥

वन में सीिा भेजी राम ।
पतििपावन सीिाराम ॥100॥

बाल्मीतक आश्रम में आई ।
लव व कुश हुए दो भाई ॥

धीर वीर ज्ञानी बलवान ।
पतििपावन सीिाराम ॥101॥

अश्वमेघ यज्ञ तकन्हा राम ।
सीिा तबन सब सूने काम ॥

लव कुश वहां दीयो पहचान ।
पतििपावन सीिाराम ॥102॥

सीिा, राम तबना अकुलाई ।
भूतम से यह तवनय सुनाई ॥

मुझको अब दीजो तवश्राम ।
पतििपावन सीिाराम ॥103॥

सीिा भूतम में समाई ।
देखकर तचन्िा की रघुराई ।।

बार बार पछिाये राम ।
पतििपावन सीिाराम ।।104।।

राम राज्य में सब सुख पावें ।
प्रेम मग्न हो हरर गुन गावें ।।

दुख कलेश का रहा न नाम ।
पतििपावन सीिाराम ।।105।।

ग्यारह हजार विश परयन्िा ।
राज कीन्ह श्री लक्ष्मी कंिा ।।

तिर बैकुण्ठ पधारे धाम ।
पतििपावन सीिाराम ।।106।।

अवधपुरी बैकुण्ठ तसधाई ।
नर नारी सबने गति पाई ।।

शरनागि प्रतिपालक राम ।
पतििपावन सीिाराम ।।107।।

श्याम सुंदर ने लीला गाई ।
मेरी तवनय सुनो रघुराई ।।

भूलूँ नहीं िुम्हारा नाम ।
पतििपावन सीिाराम ।।108।।

रामायण मनका 108 अंग्रेजी में (Ramayan Manka 108 in English)

MANGAL BHAVAN AMANGALHARI

DRAVAHU SO DASHRATH AJAR BIHARI

RAM SIYA RAM SIAY RAM JAI JAI RAM

BHID PADI JAB BHAKT PUKARE

DUR KARO PRABHU DUKH HAMARE

DASHRATH KE GHAR JANME RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(1)

VISHWAMITRA MUNISHVAR AAYE

DASHRATH BHUP SE VACHAN SUNAYE

VAN ME BHEJE LAXMAN RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(2)

VAN ME JAYE TADKA MARI

CHARAN CHUAE AHILIYA TARI

RISHIYON KE DUKH HARTE RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………(3)

JANAKPURI RAGHUNANDAN AAYE

NAGAR NIVASI DARSHAN PAAYE

SITA KE MANN BHAAYE RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………(4)

RAGHUNANDAN NE DHANUSH CHDHAYA

SAB RAJO KA MAAN GHATYA

SITA NE VAR PAAYE RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(5)

PARSHURAM KRODHIT HO AAYE

DUSHT BHUP MANN ME HARSHAYE

JANAKRAI NE KIYA PRANAM

PATIT PAWAN SITA RAM……….(6)

BOLE LAKHAN SUNO MUNI GYANI

SANT NAHI HOTE ABHIMANI

MITHI VANI BOLE RAM

PATIT PAWAN SITA RAM……….(7)

LAXMAN VACHAN DHYAN MAT DIJO

JO KUCH DAND DAS KO DIJO

DHANUSH TORAIYA MAIN HU RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………(8)

LEKAR KE YAH DHANUSH CHADHAO

APNI SHAKTI MUJHE DIKHAO

CHOOAT CHAAP CHADHAYE RAM

PATIT PAWAN SITA RAM……..(9)

HUI URMILA LAKHAN KI NARI
SHRUTIKIRTI RIPU SUDHAN PIYARI
HUI MANDAVI BHARAT KE VAAM
PATIT PAWAN SITA RAM…….(10)

AVADHPURI RAGHUNANDAN AAYE
GHAR GHAR NARI MANGAL GAAYE
BARAH VARASH BITAYE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……(11)
GURU VASHISHT SE AGYA LINI
RAJTILAK TAIYARI KINI
KALKO HONGE RAJA RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……(12)
KUTIL MANTHARA NE BEHKAI
KAIKAI NE YEH BAAT SUNAYEE
DE DO MERE DO VARDAN
PATIT PAWAN SITA RAM……(13)
MERI VINATI TUM SUN LIJO
BHARAT PUTRA KO GADDI DIJO
HOT PRAT VAN BHEJO RAM
PATIT PAWAN SITA RAM…..(14)
DHARNI GIRE BHUP TATKALA
LAGA DIL MEIN SHOOL VISHALA
TAB SUMANT BULVAYE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……(15)
RAM PITA KO SHISH NAVAYE
MUKH SE VACHAN KAHA NAHI JAAYE
KAIKAI VACHAN SUNIYO RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(16)
RAJA KE TUM PRAN PIYARE
INKE DUKH HAROGE SAARE
AB TUM VAN ME JAO RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(17)
VAN ME CHAUDAH VARASH BITAO
RAGHUKUL RITI NITI APNAO
AAGE ICHCHA TERI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……(18)
SUNAT VACHAN RAGHAV HARSHAYE
MATAJI KE MANDIR AAYE
CHARAN KAMAL ME KIYA PRANAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(19)
MATAJI MAIN TO VAN JAOON

CAUDAH VARASH BAD FIR AAOON
CHARAN KAMAL DEKHU SUKH DHAAM
PATIT PAWAN SITA RAM…….(20)
SUNI SHUL SAM JAB YEH BANI
BHU PAR GIRI KAUSHALYA RANI
DHIRAJ BANDHA RAHE SHRI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM…….(21)
SITAJI JAB YEH SUN PAYEE
RANGMAHAL SE NICHE AAYEE

KAUSHALYA KO KIYA PRANAM
PATIT PAWAN SITA RAM…….(22)
MERI CHUK KSHAMA KAR DIJO
VAN JAANE KI AGYA DIJO
SITA KO SAMJHATE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……(23)
MERI SIKH SIYA SUN LIJO
SAAS SASUR KI SEVA KIJO
MUJHKO BHI HOGA VISHRAM
PATIT PAWAN SITA RAM……(24)
MERA DOSH BATA PRABHU DIJO
SANG MUJHE SEVA ME LIJO
ARDHANGINI TUMHARI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM…….(25)
SAMACHAR SUNI LAXMAN AAYE
DHANUSH BAN SANG PARAM SUHAYE
BOLE SANG CHALUNGA RAM
PATIT PAWAN SITA RAM…….(26)
RAM LAKHAN MITHILESH KUMARI
VAN JANE KI KARI TAIYARI
RATH ME BAITH GAYE SUKHDHAM
PATIT PAWAN SITA RAM……..(27)
AVADHPURI KE SAB NAR NARI
SMACHAR SUNI VYAKUL BHARI
MACHA AVADH ME ATI KOHRAM
PATIT PAWAN SITA RAM……..(28)
SHRINGHVERPUR RAGHUVAR AAYE
RATH KO AVADHPURI LOTAYE
GANGA TAT PAR AAYE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……..(29)
KEVATH KAHE CHARAN DHULVAAO
PICHE NAUKA ME CHADH JAAO
PATTHAR KAR DI NARI RAM

PATIT PAWAN SITA RAM……..(30)
LAYA EK KATHORA PAANI
CHARAN KAMAL DHOYE SUKH MAANI
NAV CHADHAYE LAXMAN RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……..(31)
UTRAI ME MUDRI DINI
KEVATH NE YEH BINATI KINI
UTRAI NAHI LUNGA RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……..(32)
TUM AAYE HUM GHAT UTARE
HUM AYENGE GHAT TUMHARE
TAB TUM PAR LAGAO RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(33)

BHARATWAJ ASHRAM PAR AAYE
RAMLAKHAN NE SHISH NAVAYE
EK RAT KINHA VISHRAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(34)
BHAI BHARAT AYODHYA AAYE
KAIKAI KO KATU VACHAN SUNAYE
KYUN TUMNE VAN BHEJE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(35)
CHITRAKUT RAGHUNANDAN AAYE
VAN KO DEKH SIYA SUKH PAAYE
MILE BHARAT SE BHAI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(36)
AVADHPURI KO CHALIYE BHAI
YEH SAB KAI KAI KI KUTILAI
TANIK DOSH NAHI MERA RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(37)
CHARAN PADUKA TUM LE JAO
POOJA KAR DARSHAN PHAL PAO
BHARAT KO KANTH LAGAYE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(38)
AAGE CHALE RAM RAGHURAYA
NISHACHARO KA VANSH MITAYA
RISHIYON KE HUE PURAN KAAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(39)
ANSUIYA KI KUTIYA AAYE
DIVYA VASTRA SIYA MAA NE PAAYE
THA MUNI ATRI KA VAH DHAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(40)
MUNISTHAN AAYE RAGHURAI

SHURPANKHA KI NAAK KATAI
KHARDUSHAN KO MARE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(41)
PANCHVATI RAGHUNANDAN AAYE
KANAK MRIG MARICH SANG DHAYE
LAXMN TUMHE BULATE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(42)
RAVAN SADHU VESH ME AAYA
BHUKH NE MUJHKO BAHOT SATAYA
BHIKSHA DO YEH DHARAM KA KAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(43)
BHIKSHA LEKAR SITA AAYI
HATH PAKAD RATH ME BETHAI
SUNI KUTIYA DEKHI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM…………(44)
DHARNI GIRE RAM RAGHURAI
SITA KE BIN VYAKULTAI

HEY PRIYE SITE CHIKHE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM…………(45)
LAXMAN SITA CHOD NAHI AATE
JANAK DULARI NAHI GAVATE
BANE BANAYE BIGDE KAAM
PATIT PAWAN SITA RAM………….(46)
KOMAL BADAN SUHASINI SITE
TUM BIN VYARTH RAHENGE JITE
LAGE CHANDANI JAISE GAAM
PATIT PAWAN SITA RAM………….(47)
SUNRI MAINA SUN RE TOTA
MAIN BHI PANKHO WALA HOTA
VAN VAN LETA DHUNDH TAMAM
PATIT PAWAN SITA RAM………….(48)
SHYAMA HIRNI TU HI BATADE
JANAK NANDINI MUJHE MILA DE
TERE JAISI AANKHEIN SHYAM
PATIT PAWAN SITA RAM………….(49)
VAN VAN DHUNDH RAHE RAGHURAI
JANAK DULARI KAHI NA PAYI
GIDRAJ NE KIYA PRANAM
PATIT PAWAN SITA RAM………….(50)
CHAKH CHAKH KARPHAL SHABRI LAAYI
PREM SAHIT KHAYE RAGHURAI

AISE MITHE NAHI HAI AAM
PATIT PAWAN SITA RAM…………..(51)
VIPRA ROOP DHARI HANUMAT AAYE
CHARAN KAMAL ME SHISH NAVAYE
KANDHE PAR BAITHAYE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………….(52)
SUGRIV SE KARI MILAI
APNI SARI KATHA SUNAI
BALI PAHUCHAYA NIJ DHAM
PATIT PAWAN SITA RAM……………(53)
SINGHASAN SUGRIV BITHAYA
MANN ME VEH ATI HARSHAYA
VARSHA RITU AAYEE HAI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(54)
HE BHAI LAXMN TUM JAO
VANARPATI KO YUN SAMJHAO
SITA BIN VYAKUL HAI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(55)
DESH DESH VANAR BHIJVAYE
SAGAR KE SAB TAT PAR AAYE
SEHTE BHUKH PYAS OR GAAM
PATIT PAWAN SITA RAM…………(56)

SAMPATI NE PATA BATAYA
SITA KO RAVAN LE AAYA
SAGAR KUD GAYE HANUMAN
PATIT PAWAN SITA RAM…………(57)
KONE KONE PATA LAGAYA
BHAGAT VIBHISHAN KA GHAR AAYA
HANUMAN NE KIYA PRANAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(58)
ASHOK VATIKA HANUMAT AAYE
VRIKSH TALE SITA KO PAAYE
AANSU BARSE ANTHO YAAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(59)
RAVAN SANG NISHICHAR LAKE
SITA KO BOLA SAMJHAKE
MERI AUR TO DEKHO BHAAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(60)
MANDODARI BANADU DASI
SAB SEVA ME LANKA VASI
KARO BHAVAN CHALKAR VISHRAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(61)

CHAHE MASTAK KATE HAMARA
MAIN NAHI DEKHU BADAN TUMHARA
MERE TAN MANN DHAN HAI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(62)
UPAR SE MUDRIKA GIRAI
SITAJI NE KANTH LAGAI
HANUMAN NE KIYA PRANAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(63)
MUJHKO BHEJA HAI RAGHURAYA
SAGAR KUD YANHA MAIN AAYA
MAIN HU RAMDAS HANUMAN
PATIT PAWAN SITA RAM………(64)
BHUKH LAGI PHAL KHANA CHAHU
JO MATA KI AAGYA PAAOO
SAB KE SWAMI HAI SHRI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(65)
SAVDHAN HOKAR PHAL KHANA
RAKHWALO KO BHUL NA JANA
NISHACHARO KA HAI YEH DHAAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(66)
SHRI HANUMAT NE VRIKSH UKHADE
DEKH DEKH MALI LALKARE
MAR MAR PAHUCHAYA DHAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(67)
AKSHAYKUMAR KO SWARG PAHUCHAYA
INDRAJIT PHANSI LE AAYA

BRAHMAPASS ME BANDHE HANUMAN
PATIT PAWAN SITA RAM……….(68)
SITA KO TUM LOTA DIJO
UNSE KSHAMA YACHNA KIJO
TEEN LOK KE SWAMI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(69)
BHAGAT VIBHISHAN NE SAMJHAYA
RAVAN NE USKO DHAMKAYA
SANMUKH DEKH RAHE HANUMAN
PATIT PAWAN SITA RAM……….(70)
RUI TEL GRIT BASAN MANGAI
POONCH BANDH KAR AAG LAGAI
POONCH GHUMAI HAI HANUMAN
PATIT PAWAN SITA RAM……….(71)
SAB LANKA MEINAAG LAGAI
SAGAR ME JA POONCH BUJHAI

HRIDAY KAMAL ME RAKHE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(72)
SAGAR KUD LOT KAR AAYE
SAMACHAR RAGHUVAR NE PAAYE
JO MANGA SO DIYA INAAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(73)
VANAR RINCH SANG ME LAAYE
LAXMAN SAHIT SINDHU TAT AAYE
LAGE SUKHANE SAGAR RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(74)
SETU KAPI NAL NEEL BANAVE
RAM RAM LIKH SHILA TIRAVE
LANKA PAHUNCHE RAJARAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(75)
ANGAD CHAL LANKA ME AAYA
SABHA BICH ME PAAV JAMAYA
BALI PUTRA MAHA BALDHAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(76)
RAVAN PAAV HATANE AAYA
ANGAD NE PHIR PAAV UTHAYA
KSHAMA KARE TUJHKO SHRI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(77)
NISHACHARO KI SENA AAYEE
GARAJ GARAJ KAR HUI LADAI
VANAR BOLE JAI SIYA RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(78)
INDRAJIT NE SHAKTI CHALAI
DHARNI GIRE LAKHAN MURJAI
CHINTA KARKE ROYE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(79)

JAB ME AVADHPURI SE AAYA
HAAY PITA NE PRAN GAVAYA
VAN MEIN GAI CHURAI BHAAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(80)
BHAI TUMNE BHI CHITKAYA
JIVAN ME KUCH SUKH NAHI PAYA
SENA ME BHARI KOHRAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(81)
JO SANJIVNI BUTI LAAYE
TO BHAI JIVIT HO JAAYE
BUTI LAYEGA HANUMAN

PATIT PAWAN SITA RAM………..(82)

JAB BUTI KA PATA NA PAAYA

PARVAT HI LEKAR KE AAYA

KALNEEM PAHUCHAYA DHAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(83)

BHAKT BHARAT NE BAAN CHALAYA

CHOT LAGI HANUMAT LANGDAYA

MUKH SE BOLE JAI SIYA RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(84)

BOLE BHARAT BAHOT PACHTAKAR

PARVAT SAHIT BAAN BAITHAKAR

TUMHE MILADU RAJA RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(85)

BUTI LEKAR HANUMAT AAYA

LAKHAN LAL UTH SHISH NAVAYA

HANUMAT KANTH LAGAYE RAM

PATIT PAWAN SITA RAM…………(86)

KUMBHKARAN UTHKAR TAB AAYA

EK BA SE USE GIRAYA

INDRAJIT PAHUCHAYA DHAM

PATIT PAWAN SITA RAM…………(87)

DURGA PUJAN RAVA KINO

NAU DIN TAK AAHAR NA LINO

AASAN BETH KIYA HAI DHYAN

PATIT PAWAN SITA RAM…………(88)

RAVAN KA VRAT KHANDIT KINA

PARAM DHAM PAHUCHA HI DINA

VANAR BOLE JAI SIYA RAM

PATIT PAWAN SITA RAM…………(89)

SITA NE HARI DARSHAN KINA

CHINTA SHOK SABHI TAJ DINA

HANSKAR BOLE RAJA RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………….(90)

PEHLE AGNIPARIKSHA PAAO

PICHE NIKAT HAMARE AAO

TUM HO PATI VRATA HAI BHAAM

PATIT PAWAN SITA RAM…………(91)

KARI PARIKSHA KANTH LAGAI

SAB VANAR SENA HARSHAYEE

RAJ VIBHISHAN DINA RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(92)

PHIR PUSHPAK VIMAN MANGAYA

SITA SAHIT BAITHE RAGHURAYA
DANDAK VAN ME UTRE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM……….(93)
RISHIVAR SUN DARSHAN KO AAYE
STUTI KAR WO MANN ME HARSHAYE
TAB GANGA TAT AAYE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………(94)
NANDIGRAM PAVAN SUT AAY
BHAGAT BHARAT KO VACHAN SUNAYE
LANKA SE AAYE HAI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(95)
KAHO VIPRA TUM KAHA SE AAYE
AISE MITHE VACHAN SUNAYE
MUJHE MILA DO BHAIYA RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(96)
AVADHPURI RAGHUNANDAN AAYE
MANDIR MANDIR MANGAL CHAYE
MATAO KO KIYA PRANAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(97)
BHAI BHARAT KO GALE LAGAYA
SINGHASAN BAITHE RAGHURAYA
JAG NE KAHA HAI RAJA RAM
PATIT PAWAN SITA RAM…………(98)
SAB BHUMI VIPRO KO DINI
VIPRO NE YEH VAPAS DE DINI
HUM TO BHAJAN KARENGE RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………..(99)
DHOBI NE DHOBAN DHAMKAI
RAMCHANDRA NE YEH SUN PAAYI
VAN ME SITA BHEJI RAM
PATIT PAWAN SITA RAM………….(100)
VALMIKI ASHRAM ME AAYEE
LUV V KUSH HUE DO BHAI
DHIR VEER GYANI BALVAN
PATIT PAWAN SITA RAM……….(101)
ASHVAMEGH KINHA RAMA
SITA BIN SAB SUNE KAMA
LUVKUSH VAHA LIYO PEHCHAN
PATIT PAWAN SITA RAM………(102)

SITA RAM BINA AKULAI
BHUMI SE YEH BINAY SUNAI
MUJHKO AB DIJO VISHRAM

PATIT PAWAN SITA RAM………(103)

SITA BHUMI MAI SAMAI

DEKH KE CHINTA KI RAGHURAI

BAR BAR PACHTAYE RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(104)

RAM RAJ ME SAB SUKH PAAVE

PREM MAGAN BOLE HARI GUN GAAVE

DUKH KALESH KA RAHA NA NAAM

PATIT PAWAN SITA RAM……….(105)

GYARAH HAZAR VARASH PARIYANTA

RAJ KINH SHRI LAXMIKANTA

PHIR VAIKUNTH PADHARE RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(106)

AVADHPURI VAIKUNTH SIDHAI

NARNARI SAB NE GATI PAYEE

SHARNAGAT PRATIPALAK RAM

PATIT PAWAN SITA RAM………..(107)

SAB BHAKTO NE LILA GAAYEE

MERI BHI VINAY SUNO RAGHURAI

BHULU NAHI TUMHARA NAAM

PATIT PAWAN SITA RAM…………..(108)